सत्र 2025– 26 में मीडिया एवं जनसंपर्क कमेटी द्वारा विश्वविद्यालयीन गतिविधियों में सहभागिता व विभिन्न मीडिया संस्थानों के लिए न्यूज कवरेज (मई 2026 से 21 जुलाई 2026 तक की गतिविधिया)

विवि में 4-5 मई को होने जा रहा है आयोजन

राज्यपाल ने इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का पोस्टर विमोचित किया

राजभवन में पोस्टर का विमोचन करते राज्यपाल साथ में विवि की टीम।

जगदलपुर @ पत्रिका . आत्मनिर्भर भारत विजन 2047 के लिए सशक्त युवा एवं समृद्ध बस्तर की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में 4 और 5 मई को इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का वृहद आयोजन होने जा रहा है। आयोजन से संबंधित पोस्टर का राज्यपाल रमेन डेका ने रायपुर में विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं आयोजन समिति के अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

यह छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा इनोवेशन व स्टार्टअप शोकेस होगा। इसमें क्षेत्र के विद्यार्थी, नवाचारकर्ता, उद्यमी, शिक्षाविद्, इंडस्ट्री एक्सपर्ट, नीति-निर्माता एक साथ मंच व ज्ञान साझा करते हुए स्वाबलंबी भारत और बस्तर का समाधान ढूंढेंगे। बेस्ट आईडिया एवं स्टार्टअप को पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन में विवि के पीएम उषा एवं इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के अतिरिक्त आईआईटी भिलाई, एनआईटी रायपुर, आईआईएम रायपुर,सीजीकॉस्ट, स्वाबलंबी भारत अभियान, एमएफसीसी, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय जैसी संस्थानों की सहभागिता रहेगी। प्रतिभागिता के लिए रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गया है।

आयोजन • शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में 4 व 5 मई को होगा आयोजन, अफसरों ने तय की रूपरेखा व व्यवस्थाएं

इनोवेशन महाकुंभ: छिपी प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

बस्तर संभाग के युवाओं की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में 4 और 5 मई को आयोजित होने जा रहे इनोवेशन महाकुंभ 1.0 की तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और समितियों के कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव और स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल ने तैयारियों का जायजा लेते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि इस दो दिवसीय महाकुंभ में बस्तर संभाग के 2 हजार से अधिक युवा भाग लेंगे। इनमें विभिन्न महाविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और स्टार्टअप से जुड़े प्रतिभागी शामिल होंगे। आयोजन में इनोवेशन, उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्र में नए विचारों को मंच दिया जाएगा, वहीं श्रेष्ठ आइडिया और बेहतरीन स्टार्टअप को पुरस्कृत भी किया जाएगा। महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने 20 अलग-अलग समितियों का गठन किया है। ये समितियां पंजीयन, आवास, भोजन, तकनीकी सहयोग, मंच संचालन और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

जगदलपुर। समीक्षा बैठक में शामिल विश्वविद्यालय के अधिकारी और विभिन्न समितियों के सदस्य।

देशभर के विशेषज्ञ देंगे प्रतिभाओं को प्रशिक्षण

कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से विशेषज्ञ और ट्रेनर शामिल होंगे, जो युवाओं को इनोवेशन, स्टार्टअप मॉडल, फंडिंग और बिजनेस डेवलपमेंट जैसे विषयों पर प्रशिक्षण देंगे। इससे न केवल नई जानकारी मिलेगी बल्कि विचारों को रखने का मौका मिलेगा।

बस्तर संभाग के विकास को मिलेगी नई गति

स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल ने कहा कि बस्तर जैसे सुदूर वनांचल क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को मंच देने के लिए यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। इससे युवाओं में उद्यमिता की भावना विकसित होगी। वे कौशल के दम पर क्षेत्र को ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

नवाचार आधारित स्टार्टअप: प्रो. श्रीवास्तव

वहीं कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने इसे परिवर्तनकारी पहल बताते हुए कहा कि इससे बस्तर में नवाचार आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय जरूरतों के अनुरूप आर्थिक ढांचा विकसित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में बस्तर स्टार्टअप के क्षेत्र में अग्रणी संभाग के रूप में उभरेगा।

विवि में 4 और 5 मई को होना है आयोजन

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 से पहले विवि में आर्ट एंड क्राफ्ट डिजाइन पर विशेष चर्चा

विवि में अगले महीने होने वाले कार्यक्रम की तैयारी तेजी से चल रही है।

जगदलपुर @ पत्रिका . शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर द्वारा 4 व 5 मई 2026 को आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने हेतु कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने तैयारियों का स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं समन्वयकों से विस्तार से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विशेष रूप से आर्ट एंड क्राफ्ट डिज़ाइन से संबंधित तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए जा रहे नवाचार आधारित आर्ट एवं क्राफ्ट मॉडल्स की सराहना की तथा उन्हें और अधिक रचनात्मक एवं उपयोगी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कुलपति महोदय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, नवाचार क्षमता एवं व्यावहारिक कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन समिति को निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से पूर्ण की जाएं, ताकि इनोवेशन महाकुंभ 1.0 एक सफल एवं प्रेरणादायक आयोजन के रूप में स्थापित हो सके। साथ ही विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने नवाचारों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

इनोवेशन महाकुंभ, युवाओं को सशक्त बनाने एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करेगा : कलेक्टर

जगदलपुर, 12 अप्रैल (देशबन्धु)। बस्तर संभाग के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं नवोन्मेषी युवाओं में नवाचार, उद्यमिता तथा बहुविषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 04 एवं 05 मई को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में इनोवेशन महाकुंभ 1.0 की तैयारी की जा रही है। शुक्रवार को कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, स्वावलंबी भारत अभियान के सदस्यों एवं आयोजन समिति के प्रमुख संयोजकों ने जिला कलेक्टर आकाश छिकारा से सौजन्य भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में प्रेरणीय उपस्थिति के लिए आमंत्रित किया। मुलाकात के दौरान कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के उद्देश्यों एवं इसकी प्रासंगिकता से जिलाधीश को अवगत कराया तथा बस्तर क्षेत्र में नवाचार संस्कृति के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह आयोजन बस्तर के युवाओं के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कार्य करेगा, जहाँ नवीन विचारों का प्रदर्शन, पारस्परिक सहयोग को बढ़ावा तथा क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान हेतु रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकेगा।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री छिकारा ने होने वाले इनोवेशन महाकुंभ आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को सशक्त बनाने एवं जमीनी स्तर पर नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। यह आयोजन बस्तर संभाग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस आयोजन में शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं तथा विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों की व्यापक सहभागिता होगी। यह एक महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में उभरने की दिशा में अग्रसर है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप नवाचार-आधारित भविष्य निर्माण की सामूहिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सजीवन कुमार, डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. मणिशंकर मिश्रा, डॉ. रश्मि देवांगन, डॉ. तूलिका शर्मा, डॉ. अभिषेक अवस्थी, स्वावलंबी भारत अभियान के सदस्य अनिल लुंकड, डॉ. राम राकेश जांगिड़, कल्पना शर्मा, देवेंद्र देवांगन, डॉ. देवेन्द्र कुमार मरावी, डॉ, नीरज कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
इनोवेशन महाकुंभ 1.0
श्री रमेन डेका
माननीय राज्यपाल, छत्तीसगढ़
''सशक्त युवा, समृद्ध बस्तर - विजन 2047 की ओर एक मजबूत कदम''
''छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा इनोवेशन और स्टार्टअप शोकेस''
उद्देश्य
"समृद्ध बस्तर की संकल्पना को साकार करने हेतु छात्रों, युवा प्रतिभाओं, नवाचारकर्ताओं, उद्यमियों, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों एवं नीति-निर्माताओं को एक साझा मंच पर जोड़ते हुए सहयोग, ज्ञान-साझा और नवाचारी समाधानों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के विज़न को गति प्रदान करना।"
सह-आयोजक
IIT Bhilai
शिक्षा मंत्रालय MINISTRY OF EDUCATION
MoE GoI
MFCC
CGCOST
SWAVALAMBI BHARAT ABHIYAN
Startup Exhibitions
Idea Pitching
Panel Discussions
Workshops
Technical Sessions
Networking Opportunities
कार्यक्रम का विवरण
4–5 मई, 2026
शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़
यदि आपके पास नया आइडिया या स्टार्टअप है, तो इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में भाग लेकर पुरस्कार जीतने और विशेषज्ञों से जुड़ने का मौका पाएँ - अभी रजिस्ट्रेशन करें।
बेस्ट स्टार्टअप
प्रथम पुरूस्कार 1,00,000/-
द्वितीय पुरूस्कार 51,000/-
तृतीय पुरूस्कार 21,000/-
बेस्ट आइडिया
प्रथम पुरूस्कार 21,000/-
द्वितीय पुरूस्कार 11,000/-
तृतीय पुरूस्कार 5,100/-
आइडिया/उद्यमी/स्टार्टअप प्रतियोगिता पंजीकरण लिंक
www.smkvbastar.ac.in
आयोजक
पीएम-उषा PM-USHA
INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL (Ministry of Education Initiative)
सहयोगी संस्थान
NIT - RAIPUR
IIM - RAIPUR
शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
CONTACT US : 9685322910, 8795076777, 9678554691, 8349449925
सहभागिता पंजीकरण लिंक
सभी के लिए अनिवार्य

प्रेस कॉन्फ्रेंस • सरकारी योजनाओं के स्टॉल, मार्केट कनेक्ट और बेहतरीन आइडिया पर मिलेंगे इनाम

ग्लोबल प्लेटफॉर्म; दिग्गज संस्थाओं का लगेगा जमावड़ा

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर अब सिर्फ अपने जल-जंगल-जमीन के लिए ही नहीं, बल्कि युवाओं के स्टार्टअप आइडियाज के लिए भी पहचाना जाएगा। आत्मनिर्भर भारत विजन 2047 के सपने को पंख देने के लिए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय 4 और 5 मई को इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का शंखनाद करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने प्रेसवार्ता में साफ किया कि यह महज दो दिन का जलसा नहीं, बल्कि अगले दो-तीन साल तक चलने वाला एक ऐसा मिशन है, जो बस्तर के युवाओं को नौकरी ढूंढने वालों की कतार से निकालकर नौकरी देने वालों की कुर्सी पर बैठाएगा। इस महाकुंभ का आकर्षण इतना है कि अब तक संभाग के करीब 8000 युवाओं ने इसमें अपना भविष्य संवारने के लिए पंजीकरण करा लिया है। आयोजन में आईआईटी, एनआईटी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के दिग्गज बस्तर के युवाओं को स्टार्टअप की बारीकियां सिखाएंगे। खास बात यह है कि यहां होने वाली तकनीकी चर्चाओं को स्थानीय हल्बी और छत्तीसगढ़ी भाषा में अनुवादित किया जाएगा, ताकि ग्रामीण अंचलों से आने वाले युवाओं के लिए भाषा बाधा न बने।

राज्यपाल करेंगे आगाज, सीएम करेंगे समापन: दो दिवसीय इस आयोजन का भव्य उद्घाटन महामहिम राज्यपाल करेंगे, वहीं समापन समारोह में मुख्यमंत्री शामिल होंगे। इस दौरान बस्तर की लोक संस्कृति के रंगों के बीच उन युवाओं को सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा। बस्तर में पारंपरिक नौकरियों के अवसर सिमट रहे हैं। हर साल लाखों युवा वर्कफोर्स में शामिल होते हैं, लेकिन सबको सरकारी या औपचारिक नौकरी मिलना असंभव है। ऐसे में इनोवेशन महाकुंभ युवाओं के पारंपरिक कौशल और बस्तर के प्राकृतिक संसाधनों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर नए उद्योग खड़े करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

जगदलपुर। इनोवेशन महाकुंभ के संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति।

महाकुंभ की यह रूपरेखा

8000: कुल युवाओं ने अब तक कराया पंजीकरण।

1100: प्रतिभागी विश्वविद्यालय परिसर में प्रत्यक्ष शामिल होंगे।

2 साल: तक चलेगा मेंटरशिप और इन्वेस्टर मीट का दूसरा चरण।

05: से अधिक राष्ट्रीय स्तर के संस्थान (आईईटी, आईआईएम, एनआईटी) देंगे मार्गदर्शन।

महाकुंभ के यह अट्रैक्शन

खास मार्केट कनेक्ट: स्टार्टअप को सीधे बाजार और निवेशकों से जोड़ने की सुविधा।

लोकल टच: हल्बी और छत्तीसगढ़ी में विशेषज्ञों के सत्रों का अनुवाद।

प्रदर्शनी: माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस (वनोपज) के वैल्यू एडिशन पर आधुनिक मशीनों का प्रदर्शन।

बस्तर में स्थापित हो सकता है सेमी कंडक्टर प्रोजेक्ट

शिक्षित बेरोजगारों को उद्यमी बनाने ही इनोवेशन महाकुंभ : कुलपति

बस्तर के पर्यटन बढ़ावा और आर्ट को परिष्कृत करने की दरकार

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर

बस्तर में शांति स्थापित होने के बाद यहां के शिक्षित बेरोजगारों को उद्यमिता से जोड़ने का पहला प्रयास है इनोवेशन महा कुंभ। इस दो दिवसीय महाकुंभ में बस्तर के पर्यटन तथा बस्तर आर्ट को और परिष्कृत करने पर व्यापक चर्चा होगी। बस्तर में इतनी पोटेंशियल है, कि यहां सेमी कंडक्टर जैसा उद्योग सहजता से स्थापित किया जा सकता है। उक्त बातें शहीद महेंद्र कर्मा विवि में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ के तारतम्य में रखी गई पत्रवार्ता में कुलपति डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कही है।

कुलपति ने कहा कि देश में 80 लाख से अधिक युवा हैं, जिन्हे हम रोजगार नहीं दे पाते। इनमें कुछ ही फार्मर सेक्टर में जा पाते हैं। अगले 20-23 साल में युवा देश को प्रगति की ओर अग्रसर करेंगे। युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार मिलेगा। यही शासन का उद्देश्य भी है। बताते चलें कि आगामी 4 और 5 मई को शमक विवि परिसर में 5 सत्र में इनोवेशन महाकुंभ आयोजित किया जा रहा है। जिसमें 40 स्टॉल तो लगेंगे ही, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में उद्यमिता के उद्देश्य से तैयार किए गए 51 छोटे प्रोजेक्ट के साथ कंपनी वाले भी आ रहे हैं। इस वृहद महाकुंभ 1099 छात्र-छात्राओं के अलावा 200 आत्म समर्पित नक्सली भी हिस्सा ले रहे हैं।

उद्यमिता को लेकर प्रयास

पत्रवार्ता में कुलपति डॉ श्रीवास्तव ने बताया कि बस्तर पर्यटन और पारंपरिक कला के लिए विख्यात है। दो दिनों के महाकुंभ में किसी को उद्यमी नहीं बनाया जा सकता। हम इन्हें नौकरी के बदले उद्यमिता विकास के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रहे हैं। बस्तर की कलात्मक वस्तुओं को और परिष्कृत करने की आवश्यकता है। पर्यटन और यहां के लघु वनोपज के प्रसंस्करण को बढावा देना है। इन कार्यों को बस्तर के युवा बेहतर अंजाम दे सकते हैं।

छोटे उद्योग बना सकते हैं सफल कारोबारी

कुलपति ने बताया कि इनोवेशन महाकुंभ में देश की ख्याति प्राप्त कंपनियों के संस्थापक शामिल हो रहे हैं, वहीं इलेक्ट्रॉनिक और रोबोट कंपनियों के उद्यमी भी अपनी बात रखने पहुंच रहे हैं, उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे उद्योग व्यक्ति को सफल और दूसरों को रोजगार देने वाला उद्यमी बनाने कारगर साबित हो सकता है। यह आयोजन बस्तर में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। इनोवेशन महाकुंभ 2 साल आयोजित किया जाएगा। इनोवेशन महाकुंभ के उद्घाटन अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओमप्रकाश चौधरी विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। समापन अवसर पर अपनी उपस्थिति देने सीएम विष्णु देव साय ने भी अपनी सहमति दी है।

इनोवेशन
महाकुंभ 1.0
दिनांक : 4-5 मई, 2026
- आयोजक -
शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)

समापन • बस्तर विवि में इनोवेशन महाकुंभ में अटल द्वार का लोकार्पण, सीएम साय, मंत्री चौधरी व टंकराम भी पहुंचे

मुख्यमंत्री ने बस्तर को देश का सबसे अच्छा जनजातीय क्षेत्र बनाने का संकल्प दोहराया

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि दुनिया में जितने भी बड़े परिवर्तन हुए हैं, उनकी शुरुआत नवाचार से हुई है। उन्होंने कहा कि यह महाकुंभ बस्तर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और यहां के युवाओं को नई दिशा देगा।

सीएम ने कहा कि बस्तर में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, यहां के लोग मेहनती हैं और अब उन्हें मंच देने का समय है। आत्मसमर्पित बच्चों की भागीदारी को सराहते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बस्तर के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने अमित शाह की मंशा के अनुरूप बस्तर को देश का सर्वश्रेष्ठ जनजातीय क्षेत्र बनाने का संकल्प दोहराया।

जगदलपुर। बस्तर विवि में इनोवेशन महाकुंभ में विजेताओं का सम्मान करते हुए सीएम।

बस्तर में डर नहीं, अवसर: वर्मा

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि विकसित भारत में बस्तर भी अहम भूमिका निभाएगा। विधायक किरण सिंह देव ने 2047 के लक्ष्य के लिए युवाओं को आगे आने की बात कही। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि अब बस्तर में डर नहीं, बल्कि अवसर और सपनों का माहौल है। वन मंत्री केदार कश्यप ने युवाओं को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने बताया शिक्षा से स्टार्टअप तक का सफर

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय छात्रों को आइडिया से बिजनेस तक पहुंचाने के लिए मेंटरशिप, फंडिंग और मार्गदर्शन दे रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य समस्याओं का समाधान और नवाचार को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में विजेताओं को मिला सम्मान

- बेस्ट आइडिया में विशाल हालदार प्रथम, गुंजन पटेल द्वितीय और हर्षवर्धन बाजपेयी तृतीय रहे।
- स्टार्टअप श्रेणी में विनोद कुमार प्रथम, सलोनी द्वितीय और पीयूष तृतीय स्थान पर रहे।

वित्त मंत्री ने भी छात्रों को सिखाए बिजनेस के गुर

तकनीकी सत्र में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि आज का दौर नॉलेज बेस्ड है। कार्यक्रम में टीआईई रायपुर, आई-क्रिएट और एसएमकेवी-आईएसएफ के बीच एमओयू हुआ। इस दौरान मनीष होता और अभिनव खंडेलवाल उपस्थित रहे उन्होंने बस्तर के आदिवासी युवाओं को नॉलेज बेस्ड स्टार्टअप शुरू करने के गुरू सीखाए।

इसलिए खास महाकुंभ

- युवाओं को इनोवेशन और स्टार्टअप से जोड़ने की पहल
- 25 छात्रों को आईआईटी भिलाई द्वारा विशेष प्रशिक्षण
- गांवों तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए नियद नेल्लानार 2.0 योजना लागू
- अटल द्वार और अहिल्याबाई होल्कर मार्ग का लोकार्पण

बस्तर बनेगा स्टार्टअप का नया केंद्र, शिक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनेगा बस्तर

बस्तर से होकर गुजरेगा विकसित भारत 2047 का मार्ग : विष्णुदेव

इनोवेशन महाकुंभ के समापन कार्यक्रम में सीएम ने फूंकी युवाओं के सपनों में जान

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

बस्तर की धरती अब केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, बल्कि युवाओं के क्रांतिकारी आइडियाज के लिए भी जानी जाएगी। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन महाकुंभ 1.0' का भव्य समापन मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकसित भारत 2047 का मार्ग 'विकसित बस्तर' से होकर गुजरता है। उन्होंने बस्तर के युवाओं की मेहनत और मेधा की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दौरान बस्तर के समग्र विकास के लिए नियद नेल्लानार 2.0 योजना की घोषणा की, जिसे अब 10 जिलों तक विस्तार दिया गया है। साथ ही, उन्होंने राज्य की नई 'नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30' का उल्लेख करते हुए बताया कि युवाओं को उनके आइडिया को बिजनेस वेंचर में बदलने के लिए सरकार हर संभव आर्थिक और तकनीकी मदद दे रही है। कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भी नवाचार को कौशल से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया। इस महाकुंभ ने यह साबित कर दिया कि बस्तर का युवा अब डर के साये से बाहर निकलकर उद्यमिता के नए सपने बुन रहा है।

एमओयू और अंतरराष्ट्रीय सहयोग

बस्तर के स्टार्टअप्स को ग्लोबल एक्सपोजर देने के लिए इस आयोजन में महत्वपूर्ण एमओयू साइन किए गए। टीआईई रायपुर यूनिट और आई-क्रिएट के बीच हुए इस समझौते से बस्तर के छात्रों को मेंटरशिप और फंड मिलने का रास्ता साफ हो गया है। साथ ही, आईआईटी भिलाई ने बस्तर के 25 चुनिंदा छात्रों को उद्यमिता का विशेष प्रशिक्षण देने की घोषणा की है।

नियद नेल्लानार 2.0 और अधोसंरचना

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय के नवनिर्मित 'अटल द्वार' और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर मार्ग का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मंशानुरूप बस्तर को देश का सर्वश्रेष्ठ जनजातीय क्षेत्र बनाया जा रहा है। नियद नेल्लानार 2.0 के माध्यम से गांवों में मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं ताकि नवाचार का लाभ ग्रामीण अंचलों तक पहुंच सके।

मेधावी नवाचारियों का सम्मान

इनोवेशन महाकुंभ में आयोजित प्रतियोगिताओं में बस्तर के युवाओं ने अपनी बुद्धिमत्ता का लोहा मनवाया। बेस्ट आइडिया श्रेणी में विशाल हालदार ने प्रथम, गुंजन पटेल ने द्वितीय और हर्षवर्धन बाजपेयी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बेस्ट स्टार्टअप प्रतियोगिता में विनोद कुमार को पहला स्थान मिला। विजयी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' में जैव अपघटनीय सेनेटरी नैपकिन मॉडल को मिला द्वितीय पुरस्कार

नवाचार के मंच पर चमकीं आत्मानंद महाविद्यालय की बेटियां

- **मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हुईं छात्राएं, महिला स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश**

जगदलपुर/नवप्रदेश। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय जगदलपुर की छात्राओं ने नवाचार और वैज्ञानिक सोच के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर द्वारा आयोजित -इनोवेशन महाकुंभ 1.0- कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्र टीम ने -जैव अपघटनीय सेनेटरी नैपकिन- विषय पर अभिनव मॉडल प्रस्तुत कर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में प्रस्तुत इस नवाचार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। छात्राओं ने अपने मॉडल के माध्यम से बताया कि वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक युक्त सेनेटरी नैपकिन लंबे समय तक अपशिष्ट के रूप में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं, जबकि जैव अपघटनीय नैपकिन प्राकृतिक रूप से नष्ट होकर प्रदूषण को कम करने में सहायक होते हैं।

शोधपरक सोच और सामाजिक सरोकार का अनूठा संगम: महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत यह मॉडल महिला स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में छात्राओं की प्रस्तुति को निर्णायक मंडल ने काफी सराहा और इसे व्यवहारिक एवं समाजोपयोगी नवाचार बताया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजीव गुहे ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता महाविद्यालय में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं शोधपरक गतिविधियों को लगातार प्रोत्साहित करने का परिणाम है। उन्होंने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में बीएससी द्वितीय सेमेस्टर गणित समूह की छात्रा गुंजन पटेल तथा बीएससी द्वितीय सेमेस्टर जीव विज्ञान समूह की छात्राएँ एस अमृता,सोनम चतुर्वेदी एवं रोहिणी कश्यप शामिल रहीं।

इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है।

जैव अपघटनीय सैनेटरी नैपकिन

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय की छात्राओं ने 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' में 'जैव अपघटनीय सेनेटरी नैपकिन' का अभिनव मॉडल प्रस्तुत किया। इस मॉडल का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के साथ पर्यावरण को प्रदूषण से बचाना है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्राओं को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया तथा मुख्यमंत्री के करकमलों से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि महाविद्यालय में विकसित हो रही वैज्ञानिक सोच,नवाचार संस्कृति और शोधपरक शिक्षा का प्रतीक बनकर सामने आई है।

बस्तर का छिंद देगा कॉफी का स्वाद, अब वेस्ट बनेगा बेस्ट

छिंद के बीजों से तैयार कैफीन मुक्त हर्बल कॉफी बनेगी बस्तर की ग्लोबल पहचान

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

बस्तर के जंगलों में अब तक वेस्ट समझे जाने वाले छिंद के बीजों से अब 'बेस्ट' कॉफी की खुशबू महकेगी। दंतेवाड़ा के युवा उद्यमी विशाल हालदार ने दो साल के कड़े शोध के बाद छिंद के बीजों से एक ऐसी हर्बल कॉफी तैयार की है, जो पूरी तरह कैफीन मुक्त है।

बीकॉम और सॉफ्टवेयर डेवलपर की पढ़ाई करने वाले विशाल ने आधुनिक तकनीक और स्थानीय संसाधनों का अनूठा मेल प्रस्तुत किया है। इस नवाचार की सबसे बड़ी खूबी इसका स्वास्थ्यवर्धक होना है। यह कॉफी न केवल एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर है, बल्कि उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो स्वाद के साथ सेहत का समझौता नहीं करना चाहते। विशाल के इस आइडिया को 'इनोवेशन महाकुंभ' में प्रथम स्थान मिला और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें सम्मानित भी किया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी सहित विशेषज्ञों ने भी इस हर्बल स्वाद की मुक्तकंठ से सराहना की है। विशाल का लक्ष्य अब इसे स्थानीय रोजगार से जोड़कर ग्रामीणों की आय का जरिया बनाना है, ताकि बस्तर का यह औषधीय उपहार पूरी दुनिया तक पहुँच सके।

लोकल वेस्ट से ग्लोबल बेस्ट का सफर

यह स्टार्टअप केवल कॉफी बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बस्तर के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का एक विजन है। विशाल दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के यूथ अप फाउंडेशन के साथ मिलकर युवाओं को उद्यमिता के गुर सिखा रहे हैं। उनका मानना है कि जंगल में बेकार गिरने वाले बीजों का संग्रहण कर ग्रामीण अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

सेहत का प्याला, कैफीन का झमेला नहीं

विशाल हालदार द्वारा विकसित यह हर्बल कॉफी बाजार में मौजूद सामान्य कॉफी से बिल्कुल अलग है। छिंद के प्राकृतिक गुणों के कारण यह शरीर को ऊर्जा तो देती है, लेकिन कैफीन के दुष्प्रभाव जैसे अनिद्रा या बेचैनी पैदा नहीं करती। यह उन कॉफी प्रेमियों के लिए वरदान है जो दिन भर में कई कप कॉफी पीना चाहते हैं। फिलहाल यह प्रोजेक्ट टेस्टिंग फेज में है, लेकिन इसकी गुणवत्ता ने अभी से सबको प्रभावित कर दिया है।

कार्बोहाइड्रेट और अल्कलॉइड्स का खजाना

"छिंद बस्तर के नदियों और नालों के किनारे पाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण पेड़ है। वानस्पतिक भाषा में छिंद का नाम फोनिक्स सिल्वेस्ट्रिस है, जो एरेकेसी परिवार का सदस्य है। खजूर के मुकाबले इनका आकार थोड़ा छोटा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, बुखार, उल्टी आना, गला सूखना, जी मिचलाना आदि समस्याओं से लाभ मिलता है। इसके बीज में बहुत अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, फ्लेवोनॉयड, टेनिन, फिनोल, अल्कलॉइड्स, एमिनो एसिड, टरपिनोइडस, फाइबर, विटामिन तथा कई तरह के मिनरल्स पाए जाते हैं।

डॉ जेएल नायक, वनस्पति शास्त्री

इनोवेशन महाकुंभ की सांस्कृतिक संध्या

श्रुति सरोज की कथक प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

श्रुति सरोज ने शानदार कथक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जगदलपुर @ पत्रिका . जगदलपुर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में 4-5 मई 2026 को आयोजित इनोवेशन महाकुंभ की सांस्कृतिक संध्या में बस्तर की युवा कलाकार श्रुति सरोज ने अपनी शानदार कथक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने ''रसराज त्रिवत'' पर आधारित प्रस्तुति में भाव, लय और शास्त्रीय शैली का सुंदर समन्वय दिखाया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गूंज के साथ सराहा। कार्यक्रम में मौजूद आईजी सुंदरराज पी और कुलपति प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने श्रुति की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।बीटेक की छात्रा श्रुति कथक में नृत्य भूषण और संगीत विशारद की उपाधि प्राप्त कर चुकी हैं। तीन वर्ष की उम्र से मंच प्रस्तुतियां दे रहीं श्रुति ने दूरदर्शन के ''दण्डकारण्य की शान'', बस्तर लोकोत्सव, चित्रकोट महोत्सव और राष्ट्रीय स्तर के कई कार्यक्रमों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

विवि में दो दिवसीय इनोवेशन महाकुंभ आज से

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जगदलपुर

- विभिन्न संभागों से एक हजार से अधिक प्रतिभागी होंगे शामिल
- राज्यपाल की उपस्थिति में होगा शुभारंभ कार्यक्रम

बस्तर संभाग में नवाचार, स्टार्टअप, उद्यमिता एवं स्वरोजगार का अलख जगाने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार सुबह नौ बजे से इनोवेशन महाकुंभ 1.0 (वन प्वाइंट जीरो) कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। शुभारंभ आयोजन की अध्यक्षता राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, स्वदेशी एवं उद्यमिता विशेषज्ञ सतीश कुमार, एनईटीएफ के चेयरमैन प्रो. अनिल डी सहस्त्रबुद्धे, सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पांडे, राजपरिवार सदस्य कमलचंद्र भंजदेव, आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश, सीजी कॉस्ट के निदेशक डॉ. प्रशांत कवीश्वर, स्वावलंबी भारत अभियान के स्टेट को-र्डिनेटर जगदीश पटेल, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी घनश्याम आयोजन में विशिष्ट अतिथि रहेंगे। स्वागत उद्बोधन कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में पद्मश्री बुधरी ताती को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर इनोवशन एंड स्टार्टअप कंपेडियम 2026 का विमोचन होगा।

देंगे जरूरी टिप्स

शुभारंभ सत्र के बाद तीन टेक्निकल सेशन होंगे। जिसमें राज्य और देश के विभिन्न संस्थानों के एक्सपर्ट, सीजी स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन श्रीनिवास राव मद्दी एवं डॉ. अमित दुबे, प्रो. सत्यनारायण सेशाद्रि, सम्यक जैन, प्रो. विकास सिंह, प्रो. हुलास पाठक युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। शाम में विवि के विद्यार्थियों द्वारा लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह आयोजन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, विज्ञान व तकनीक विभाग, शासन के कॉमर्स एवं औद्योगिक विभाग, एमफसीसी, सीजी कॉस्ट, छग राज्य माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूज को-फेडरेशन लिमिटेड, आईआईटी भिलाई, सीसीसीआई, स्टार्टअप छत्तीसगढ़, स्वावलंबी भारत अभियान, जे महेंद्रकांत ज्वेलर्स के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को एसएमकेवि इनोवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन एवं टीआईई रायपुर तथा आई क्रिएट के बीच एमओयू होंगे।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' का शुभारंभ

जगदलपुर, 3 मई (देशबन्धु)। बस्तर संभाग में नवाचार, स्टार्टअप, उद्यमिता और स्वरोजगार की नई चेतना जगाने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में सोमवार से दो दिवसीय इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का भव्य शुभारंभ होगा। विश्वविद्यालय परिसर में सुबह 9 बजे से प्रारंभ होने वाले इस आयोजन में बस्तर सहित विभिन्न संभागों से एक हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका की उपस्थिति में होगा। इस महत्त्वपूर्ण आयोजन की अध्यक्षता राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, स्वदेशी एवं उद्यमिता विशेषज्ञ सतीश कुमार, एनईटीएफ के चेयरमैन प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे, सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पांडेय, राजपरिवार सदस्य कमलचंद्र भंजदेव, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश, सीजी कॉस्ट के निदेशक डॉ. प्रशांत कवीश्वर सहित अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के स्वागत उद्बोधन से होगी, जबकि कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी आभार प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर पद्मश्री [illegible] बुधरी ताती को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही इनोवेशन एंड स्टार्टअप कंपेंडियम 2026 (रोडमैप फॉर विकसित भारत [illegible] 2047) का विमोचन भी किया जाएगा, जो युवाओं के लिए नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणादायक दस्तावेज साबित होगा।

बस्तर में नवाचार का महापर्व

तीन तकनीकी सत्र: शुभारंभ सत्र के बाद तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें राज्य और देश के विभिन्न संस्थानों से आए विशेषज्ञ युवाओं को स्टार्टअप, एंटरप्रेन्योरशिप और स्वरोजगार के व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन देंगे। इनमें सीजी स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन श्रीनिवास राव मद्दी, डॉ. अमित दुबे, प्रो. सत्यनारायण सेशाद्रि, सम्यक जैन, प्रो. विकास सिंह और प्रो. हुलास पाठक जैसे विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। शाम के सत्र में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बस्तर की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो आयोजन को सांस्कृतिक गरिमा भी प्रदान करेंगी। महाकुंभ के दौरान पर्यटन, जनजातीय कला, वनोपज, खाद्य प्रसंस्करण, हर्बल उत्पाद, एआई, कृषि तकनीक, निवेश, स्वदेशी, एमएसएमई, विभिन्न बैंक, मेडिसिनल प्लांट, मिलेट्स, एनआरएलएम और इनोवेशन से जुड़े विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से विद्यार्थी और युवा स्टार्टअप, उद्यमिता, निवेश और स्वरोजगार से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह आयोजन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, एमएफसीसी, सीजी कॉस्ट, छत्तीसगढ़ राज्य माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस को-फेडरेशन लिमिटेड, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भिलाई, सीसीसीआई, स्टार्टअप छत्तीसगढ़, स्वावलंबी भारत अभियान और जे महेंद्र कांत ज्वेलर्स के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को एसएमकेवी इनोवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन, टीआईई रायपुर और आई-क्रिएट के बीच एमओयू भी संपन्न होंगे, जो बस्तर में नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर पर्यटन, जनजाति कला, वनोपज, खाद्य प्रसंस्करण, हर्बल, एआई, कृषि तकनीक, >> शेष पृष्ठ 9 पर >

इनोवेशन महाकुंभ का शुभारंभ : बस्तर के युवाओं को मिला सीखो-नया सोचो-कमाओ का मंत्र

डिग्रीधारी नहीं, जॉब क्रिएटर बनें बस्तर अंचल के युवा : राज्यपाल

बस्तर के इनोवेशन महाकुंभ में राज्यपाल का मंत्र, रोजगार देने वाले शक्तिशाली युवा बनें

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में सोमवार से 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का शंखनाद हो गया है। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने बस्तर के युवाओं में आत्मनिर्भरता की नई ऊर्जा भरते हुए कहा कि यह आयोजन महज एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मजबूत बस्तर की आधारशिला है। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि सबको सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है, लेकिन नवाचार और उद्यमिता के जरिए सबके पास काम जरूर हो सकता है।

राज्यपाल ने युवाओं को सीखो, लागू करो, नया सोचो और कमाओ का मूल मंत्र देते हुए कहा कि इनोवेशन ऐसा हो जो मानव जीवन को सरल बनाए और स्थानीय संसाधनों में 'वैल्यू एडिशन' करे। उन्होंने पर्यावरण परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक जैसे वैश्विक खतरों से निपटने के लिए भी तकनीक के सहारे समाधान खोजने का आह्वान किया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर की कला और वन संपदा को तकनीक के माध्यम से वैश्विक पहचान दिलाना ही हमारा लक्ष्य है। कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय अब ज्ञान से स्वावलंबन की ट्रांजिशन यात्रा का केंद्र बन रहा है। कार्यक्रम में इनोवेशन एंड स्टार्टअप कंपेडियम 2026 का विमोचन और पद्मश्री बुधरी ताती का सम्मान भी किया गया।

बस्तर बनेगा ट्राइबल इनोवेशन हब

दो दिवसीय इस महाकुंभ का मुख्य उद्देश्य बस्तर को देश का पहला ट्राइबल इनोवेशन हब बनाना है। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय अब केवल डिग्री बांटने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि छात्रों के 'आइडिया' को स्टार्टअप में बदलने के लिए विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगा। युवाओं की भारी उपस्थिति बस्तर की प्रगति का स्पष्ट संकेत है।

आज मुख्यमंत्री साय करेंगे समापन

इनोवेशन महाकुंभ के दूसरे दिन मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय शिरकत करेंगे। उनकी अध्यक्षता में आयोजित समापन सत्र में सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप आइडिया और युवा उद्यमियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान टीआईई रायपुर और आई क्रिएट अहमदाबाद के बीच ऐतिहासिक एमओयू भी होगा, जो बस्तर के युवाओं के लिए औद्योगिक विकास के नए द्वार खोलेगा।

स्थानीय उत्पादों की बनेगी ग्लोबल ब्रांडिंग

राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि महुआ, इमली और रेशम जैसे बस्तर के प्राकृतिक खजाने को कच्चा माल बनाकर बेचने के बजाय स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग कर ब्रांड बनाना होगा। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि आज मोबाइल फोन ही सबसे बड़ा बाजार है; सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स का उपयोग कर बस्तर के उत्पादों को दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचाया जा सकता है।

असफलता से न डरें, रिस्क लें युवा

एनईटीएफ के चेयरमैन प्रो. अनिल डी सहस्त्रबुद्धे और स्वदेशी विशेषज्ञ सतीश कुमार ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उद्यमिता के रास्ते में असफलता से घबराने की जरूरत नहीं है। अच्छा व्यवहार और कड़ी मेहनत ही एक सफल 'जॉब प्रोवाइडर' की पहचान होती है। बस्तर के युवाओं को अब 'जॉब सीकर' की मानसिकता छोड़कर 'जॉब क्रिएटर' बनने की दिशा में जोखिम लेना होगा।

इनोवेशन महाकुंभ 1.0: बस्तर को ट्राइबल इनोवेशन हब बनाने का आह्वान

प्राकृतिक संसाधनों के साथ समृद्ध आदिवासी कला संस्कृति व पर्यटन की अपार संभावनाएं : राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्व विद्यालय में आयोजित "इनोवेशन महाकुंभ 1.0" के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर विश्वास जताया। उन्होंने कहा बस्तर में नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत शुरुआत है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है, ऐसे में युवाओं को नौकरी खोजने के बजाय नौकरी देने वाला बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को अपनाना जरूरी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में वनों की सुरक्षा, नैसर्गिक नदी-नाले का संरक्षण करने सहित उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग कर समावेशी विकास की अवधारणा को अपनाने की जरूरत बताई। राज्यपाल ने बस्तर के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय चुनौतियों के लिए पहचाना जाने वाला यह क्षेत्र अब विकास की नई राह पर अग्रसर है। यहाँ महुआ, इमली, तेंदूपत्ता, रेशम जैसे प्राकृतिक संसाधनों के साथ समृद्ध आदिवासी कला, संस्कृति और पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। डिजिटल सुविधाओं के विस्तार ने भी नए अवसर खोले हैं। नई शिक्षा नीति 2020 का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं, बल्कि कौशल, नवाचार और आत्मनिर्भरता पर आधारित है। उन्होंने "सीखो, लागू करो, नया सोचो, कमाओ" के सूत्र को अपनाने का आह्वान किया। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय "ज्ञान से व्यवसाय" मॉडल के माध्यम से छात्रों को अपने विचारों को स्टार्टअप में बदलने का अवसर दे रहा है, जिससे भविष्य में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि महुआ, इमली जैसे उत्पादों को ब्रांड बनाकर बाजार तक पहुंचाना होगा। कच्चा माल बेचने के बजाय स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन कर आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा ▶▶।शेष पेज 12 पर

■ शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में भव्य शुभारंभ

पुस्तक का विमोचनः राज्यपाल ने इनोवेशन एण्ड स्टार्टअप कंपेडियम पुस्तक का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती को सम्मानित किया। इस मौके पर कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुन्दरराज पी, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा और अन्य अधिकारियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञों के अलावा विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं युवा मौजूद थे।

बस्तर अब शांति और विश्वास का गढ़ : डेका

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बस्तर अब शांति और विश्वास का गढ़ बन चुका है, ऐसे में यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते बस्तर की इस सकारात्मक छवि को आगे बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध और अभिनव प्रयास जरूरी हैं। राज्यपाल ने सोमवार को कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में बस्तर जिले के विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं। उन्होंने जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल संचयन संरचनाओं के साथ ही एक पेड़ मां के नाम अधिकाधिक पौधरोपण कर जनसहभागिता के साथ पौधों की देखभाल करने पर बल दिया। राज्यपाल ने जोर देते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास मॉडल तैयार किया जाए। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता निरूपित करते हुए ड्रॉप आउट बच्चों को स्कूल से ▶▶। शेष पेज 12 पर

■ अधिकारियों की बैठक में बस्तर को समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का आह्वान

बस्तर में विकास की अपार संभावनाएं

राज्यपाल ने यह भी कहा कि बस्तर में शांति स्थापित होने के बाद विकास की अपार संभावनाएं खुली हैं, जिन्हें नवाचार और जनभागीदारी के माध्यम से साकार किया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों और समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर बस्तर को समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस मौके पर राज्यपाल श्री डेका ने कलेक्टोरेट परिसर में रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से टीबी उन्मूलन हेतु निक्षय मित्र के सहायता राशि से फूड बा... मोतियाबिन्द पीड़ितों को ऑपरेशन पश्चात चश्मा और स्वास्थ्य कार्ड... को निक्षय मित्र प्रमाण पत्र का वितरण किया और रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यता अभियान के लिए पदाधिकारियों से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम आम का पौधरोपण किया।

कलेक्टर ने नवाचार की दी जानकारी

कलेक्टर आकाश छिकारा ने बस्तर जिले में की जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन और नवाचारों की जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। इसके अलावा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने जल-संवर्धन हेतु नागरिकों को प्रोत्साहित करना, पौधारोपण एवं पर्यावरण संवर्धन, जैविक कृषि को प्रोत्साहन, स्वच्छता के साथ जीवन शैली पर विशेष ध्यान, बेहतर स्वास्थ्य हेतु योग व्यायाम के प्रति जागरूकता सहित नक्सली समस्या पर जागरूकता एवं चर्चा, आकांक्षी जिला कार्यक्रम की जानकारी एवं प्रगति की जानकारी दी।

इनोवेशन महाकुंभ • बस्तर विवि में राज्यपाल ने दिया उद्यमिता का मंत्र, आज सीएम साय करेंगे समापन

डिग्री के साथ रोजगार... स्टार्टअप, उद्योगों के बीच एमओयू, युवाओं का सम्मान हुआ

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

जगदलपुर। बस्तर विश्वविद्यालय में हुए कार्यक्रम में मौजूद राज्यपाल के साथ वन मंत्री, कुलपति और अन्य लोग।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय (बस्तर विश्वविद्यालय) में दो दिवसीय इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का भव्य शुभारंभ हुआ। सोमवार को राज्यपाल रमेन डेका ने इस आयोजन का उद्घाटन करते हुए इसे बस्तर की आत्मनिर्भरता के लिए एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि नवाचार (इनोवेशन) का असली उद्देश्य मानव जीवन को सरल और सुरक्षित बनाना है। इस महाकुंभ के जरिए बस्तर के युवाओं में नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाली सोच विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

युवाओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए नए आइडिया जरूरी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के लिए हर किसी को सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है, लेकिन नवाचार के माध्यम से हर हाथ में काम जरूर हो सकता है। राज्यपाल ने युवाओं से कहा कि वे जोखिम लेने से न डरें और अपने हुनर को व्यवसाय में बदलें। इस अवसर पर इनोवेशन एंड स्टार्टअप कंपेंडियम-2026 का विमोचन किया गया और पद्मश्री बुधरी ताती का सम्मान किया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर की कला और वन संपदा को तकनीक से जोड़कर वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। वहीं, कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय की कार्ययोजना साझा करते हुए बताया कि छात्रों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में सतीश कुमार और एनईटीएफ चेयरमैन अनिल डी. सहस्रबुद्धे ने भी युवाओं को असफलता से सीख लेकर सफल उद्यमी बनने के गुर सिखाए।

विश्वविद्यालय परिसर में लगे स्टॉल्स में युवाओं ने अपने तकनीकी मॉडल और स्टार्टअप आइडिया प्रदर्शित किए। यह महाकुंभ युवाओं को विशेषज्ञों से सीधे संवाद का मौका दे रहा है। यहाँ पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक के मेल से बने मॉडल्स को काफी सराहा जा रहा है। इससे स्थानीय संसाधनों, कला और कृषि आधारित नए व्यवसायों की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे शामिल, महत्वपूर्ण एमओयू भी होंगे

मंगलवार को इस महाकुंभ का समापन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में होगा। समापन सत्र में बस्तर के युवाओं के लिए नई संभावनाएं खुलेंगी। मसलन नवाचार को बढ़ावा देने के लिए टीआई रायपुर और आई-क्रिएट अहमदाबाद के बीच एमओयू (सहमति पत्र) पर हस्ताक्षर होंगे। कार्यक्रम में बेस्ट आइडिया, बेस्ट स्टार्टअप और यंग इंटरप्रेन्योर अवॉर्ड से प्रतिभावान युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। सफल उद्यमियों द्वारा अपनी संघर्ष की कहानियां साझा की जाएंगी, जिससे बस्तर के युवाओं को स्टार्टअप की दुनिया में कदम रखने का प्रोत्साहन मिलेगा।

राजयपाल ने यूनिवर्सिटी में किया पौधरोपण

विजय मत/जगदलपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर मौलश्री का पौधा रोपा। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पांडेय, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज श्रीवास्तव, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित अन्य विशिष्ट गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आयोजन : सीएम ने बस्तर विश्वविद्यालय में युवाओं को किया प्रेरित

बस्तर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा इनोवेशन महाकुंभ : साय

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने कहा कि दुनिया में जो भी बदलाव हुए हैं वे इनोवेशन से शुरू हुआ है। यह इनोवेशन महाकुंभ 1.0 क्षेत्र में उद्यमिता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोजन बस्तर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि बस्तर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां के लोग मेहनती हैं। उन्होंने आत्मसमर्पित लोगों के इस आयोजन में भाग लेने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि बस्तर में विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मंशानुरूप बस्तर को देश का सबसे अच्छा जनजातीय क्षेत्र बनाएंगे। उन्होंने बताया कि अब नियद नेल्लानार 2.0 योजना प्रारंभ किया गया है। इसमें कुल दस जिलों को शामिल कर गांवों में हर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

■ दुनिया में जो भी बदलाव हुए वे इनोवेशन से शुरू हुए

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि बस्तर में शांति एक अवसर के रूप में आया है। अब यहां डर की जगह सपने हैं। कोई काम छोटा नहीं होता है। पहला कदम आपको चलना पड़ेगा। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जीवन के उद्देश्य पूरा करने में यह आयोजन मदद करेगा। आप अगले सत्र में एक इंटरप्रयोनोर मॉडल के प्रस्तुत करने का प्रयास करें। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रदेश में उद्यमिता के विकास हेतु कई प्रयास किए जा रहे हैं। विकसित भारत में बस्तर का योगदान भी बड़े जगहों की तरह होगा। विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि 2047 के विकसित भारत के लिए बस्तर में भी प्रयास किए जा रहे हैं। हम सभी को देश की प्रगति में अपने को जोड़ कर रखना चाहिए।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सीकॉस्ट के डायरेक्टर जनरल डॉ. प्रशांत कविश्वर, बेवरेज कार्पोरेशन अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, जनजातीय आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी, पूर्व विधायक लच्छुराम कश्यप तथा सुभाउराम कश्यप, जिले के उच्च अधिकारी, स्वदेशी जागरण मंच के सदस्य सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को अपने आइडिया को बिजनेस में बदलने कर रहे मदद

स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह विवि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को अपने आइडिया को बिजनेस में बदलने के लिए आवश्यक ज्ञान, मेंटरशिप एवं फंड आदि में सहायता प्रदान कर रहा है। शिक्षा केवल ज्ञान प्रदान करने तक नहीं रूकती है। शिक्षा, ज्ञान के द्वारा वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में सहायक होती है। इन समस्याओं को हल करने की क्षमता से ही नवाचार विकसित होता है। नवाचार फिर स्किल को जन्म देता है। स्किल जब मार्केट से कनेक्ट होती है तो आप व्यवसाय की ईकाई या बिजनेस वेंचर खड़ा कर लेते हैं।

एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

आईआईटी भिलाई के प्रो. राजीव प्रकाश ने बस्तर के 25 स्टूडेंट्स को उद्यमिता का प्रशिक्षण देने बात कही। मनीष होता एवं अभिनव खंडेलवाल की उपस्थिति में चैप्टर ऑफ द इंडस इंटरप्रयोनर्स टीआईई के रायपुर यूनिट व आई क्रिएट एवं एसएमकेवि आईएसएफ के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

बेस्ट स्टार्टअप कंपीटिशन में विनोद कुमार प्रथम

बेस्ट आइडिया के कंपीटिशन में विशाल हालदार, गुंजन पटेल और हर्षवर्धन बाजपेयी प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। बेस्ट स्टार्टअप कंपीटिशन में विनोद कुमार को प्रथम, सलोनी को द्वितीय और पीयूष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

इनोवेटिव इवेंट: शहीद महेंद्र कर्मा विवि में इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के समापन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बस्तर में इनावेशन का इंजन स्टार्ट

सीएम बोले- ऐसे कार्यक्रम युवाओं को करते हैं चार्ज

- **कहा-** विकसित बस्तर से विकसित छग का मार्ग प्रशस्त होगा
- युवा नवाचार करें, हमारी सरकार हर स्तर पर सहयोग करेगी

युवाओं को दो दिन तक नवाचार से सफलता का मिला मंत्र

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. नए बस्तर का इनोवेशन इंजन अब स्टार्ट हो चुका है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को इनोवेशन के लिए चार्ज करते हैं। बस्तर में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है, केवल सही मंच और मार्गदर्शन की जरूरत है। यह बातें मंगलवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कही। उन्होंने आगे कहा कि विकसित बस्तर से होकर गुजरेगा विकसित छत्तीसगढ़ का मार्ग। यह आयोजन युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के लिए मजबूत मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने बस्तर के समग्र विकास के लिए तैयार रोडमैप का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें रोजगार, शिक्षा, स्टार्टअप और अधोसंरचना का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही "नियद नेल्ला नार योजना" का विस्तार कर इसे "नियद नेल्ला नार 2.0" के रूप में 10 जिलों में लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में "नवाचार और स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30" लागू की गई है, जिसके तहत युवाओं को आइडिया से लेकर व्यवसाय विस्तार तक आर्थिक और तकनीकी सहायता दी जा रही है। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय कुलपति, विशेषज्ञ, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जगदलपुर. कार्यक्रम के शुरुआत के अवसर पर मौजूद मुख्यमंत्री व अन्य।

जगदलपुर. बड़ी संख्या में बस्तर संभाग के युवा ''इनोवेशन महाकुंभ में शामिल हुए।

बेस्ट आइडिया और स्टार्टअप को मिला सम्मान

कार्यक्रम में नवाचार करने वाले बेस्ट आइडिया और स्टार्टअप प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इस दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने युवाओं से अपने विचारों को मूर्त रूप देने और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

बस्तर के युवाओं के लिए नवाचार में अपार संभावनाएं: ओपी चौधरी

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। वित्त मंत्री ने बस्तर के युवाओं से कहा कि वे वन उत्पाद, पर्यटन, कला-संस्कृति और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में नवाचार के माध्यम से क्षेत्र का विकास करें। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा समाज निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का दिया संदेश

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि यह आयोजन युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर देता है। सांसद महेश कश्यप और विधायक किरण देव ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्टार्टअप और नवाचार के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।

इनोवेटिव इवेंट के पीछे कुलपति प्रो. श्रीवास्तव की सोच

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि बस्तर में पहली बार हुए इस इनोवेटिव इवेंट के पीछे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव की सोच रही। उन्होंने दो महीने पहले तय किया कि बस्तर में ऐसा आयोजन करना है। इसके बाद उनकी टीम दिन-रात इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी रही। विवि के सभी प्रोफेसरों व अधिकारियों ने आयोजन के लिए परिश्रम किया। बस्तर के युवाओं को पहली बार राष्ट्रीय स्तर का मंच इस आयोजन के जरिए मिल पाया।

विवि में शहीद महेंद्र कर्मा की पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

जगदलपुर, 25 मई (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन प्रांगण में शहीद महेंद्र कर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर एक गरिमामयी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कुलपति, मनोज कुमार श्रीवास्तव ने प्रशासनिक भवन के सामने स्थित शहीद महेंद्र कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। कुलपति के साथ-साथ विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भी शहीद महेंद्र कर्मा की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने उनके बलिदान और योगदान का स्मरण किया। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विवि में शहीद महेंद्र कर्मा की पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

जगदलपुर, 25 मई (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन प्रांगण में शहीद महेंद्र कर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर एक गरिमामयी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया

एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग व कॉमिक्स को लेकर कार्यशाला 01 जून को

आम सभा, (विमलेंदु शेखर झा) जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में 01 जून को सुबह 10 बजे से अकादमिक भवन में एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग व कॉमिक्स(एविजीसी) को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रखा गया है। इसमें भारत सरकार के उद्योग और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रुति सिंह एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी(आईआईसीटी), मुंबई के एक्सपर्ट उपस्थित रहेंगे।

इस दौरान आईआईसीटी के एक्सपर्ट एविजीसी लैब एवं संबंधित तकनीकी और व्यावसायिक पहलुओं पर प्रतिभागियों के साथ परिचर्चा करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा भारत को एविजीसी का एक ग्लोबल हब बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। इसमें बस्तर संभाग के युवाओं को भी अवसर देने के उद्देश्य से यह कार्यशाला रखी गई है। ताकि यहां के युवा भी एविजीसी के क्षेत्र में विश्वस्तरीय टेलेंट में अपना स्थान बना सकें। ऐसे टेलेंट जो भारत और विश्व मनोरंजन उद्योगों की जरूरतों पूरा करने में अपना योगदान दे सकें।

एविजीसी लैब स्थापना की पहल एविजीसी को लेकर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में लैब स्थापना की पहल की गई है। इसके माध्यम से बस्तर संभाग के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। जिससे आधुनिक समय में क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत का फायदा उठाया जा सकेगा। कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बस्तर में एविजीसी लैब स्थापित होने से रोजगार के क्षेत्र में व्यापक संभावना बढ़ेगी। बस्तर की लोकप्रिय जनजातीय संस्कृति, इतिहास और विरासत को लेकर बेहतरीन क्रिएटिव एनिमेशन फिल्में बनाई जा सकती है। कार्यशाला में एविजीसी लैब की स्थापना को लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर व नई टेक्नोलॉजी को लेकर भी चर्चा होगी। ज्ञात हो कि भारत में एविजीसी को मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग के भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। देश में एनिमेशन उद्योग बहुत तेजी से तरक्की कर रहा है। विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, एनिमेशन और दिलचस्प मोबाईल कंटेंट की डिमांड में भी बहुत तेजी आई है। वैसे में बस्तर संभाग के विभिन्न जिले और संस्थानों के युवा जिन्हें, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स, थ्रीडी एनिमेटर, वर्चुअल रियलिटी, गेम डेवलपर, कॉमिक आर्टिस्ट ईत्यादि कार्यों में रूचि है वे इस कार्यशाला में भाग ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिभागिता नि:शुल्क रखी गई है। भाग लेने के लिए 9981346438 या 94062 56031 पर संपर्क कर सकते हैं।

Software Knowledge :
Technical Skills
IICT
Indian Institute Of
Creative Technologies

एक दिवसीय कार्यशाला सह परिचर्चा
- विषय -
एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग एवं कॉमिक्स
दिनांक : 01 जून, 2026

प्रशासनिक भवन
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
धरमपुरा-2, जगदलपुर, जिला-बस्तर, छत्तीसगढ़ पिन कोड-494001

छू लो आसमान : शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय और स्ववालंबी भारत अभियान ने की बड़ी पहल, इंडिगो से मिलेगी स्पेशल ट्रेनिंग

अब बस्तर की आदिवासी बेटियां भी बन पाएंगी पायलट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . बस्तर की प्रतिभाशाली बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर एवं स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त प्रयास से इंडिगो एयरलाइंस की सीएसआर इकाई द्वारा गिविंग विंग्स टू फ्लाई कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस विशेष पहल के तहत बस्तर के जनजातीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को वाणिज्यिक (कमर्शियल) पायलट बनने के लिए प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने इसे बस्तर की बेटियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताते हुए विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों से पात्र छात्राओं की पहचान कर उन्हें इस योजना से जोडने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसी प्रतिभावान युवतियों को आगे बढ़ाना है, जो आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों को साकार नहीं कर पाती हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित छात्राओं को विमानन क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन तथा आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इससे न केवल युवतियों को देश के प्रतिष्ठित विमानन क्षेत्र में प्रवेश का अवसर मिलेगा, बल्कि बस्तर की बेटियां भी आसमान में अपनी नई पहचान बना सकेंगी।

पायलट ट्रेनिंग के लिए यह हैं पात्रता की शर्तें

वाणिज्यिक पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम में आवेदन करने वाली अभ्यर्थी भारतीय महिला होनी चाहिए, जिसकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो। आवेदिका ने 10 2 में अंग्रेजी, भौतिकी और गणित विषयों के साथ प्रत्येक विषय में न्यूनतम 51 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। इसके अलावा आवेदिका के पास आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईब्ल्यूएस) का वैध प्रमाण पत्र होना भी अनिवार्य है।

30 जून तक कर सकेंगी आवेदन

इच्छुक छात्राएं 30 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन केवल आधिकारिक पोर्टल इंडिगो के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने सभी महाविद्यालयों से चयनित एवं इच्छुक छात्राओं की जानकारी निर्धारित गूगल फॉर्म में भरकर विश्वविद्यालय को भेजने का भी अनुरोध किया है।

विश्वविद्यालय में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर के शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर एवं बालक छात्रावास परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर निर्माण तथा युवाओं में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। विश्वविद्यालय परिसर में फलदार पौधे का रोपण किया गया विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी द्वारा जामुन का फलदार पौधे लगाए, प्रोफेसर शरद नेमा, डॉ. सजीवन कुमार

- पर्यावरण संरक्षण पर जनजागरूकता फैलाने का किया संकल्प
- शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय मना विश्व पर्यावरण दिवस

कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस, डॉ. विनोद सोनी, विजय भारत पर्यावरण विद, डॉ. मेक्सुदन, डॉ. भुनेश्वर लाल साहू, डॉ. नीरज वर्मा, डॉ. दुर्गेश डिक्सेना, डॉ. कृष्णा वर्मा, प्रेम जीत निराला, देवेन्द्र दुर्गे ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों, विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभागाध्यक्ष ने वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण तथा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस ने कहा कि प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा युवा पीढ़ी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर एवं बालक छात्रावास में फलदार आम, जामुन, कटहल, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का भी संकल्प व्यक्त किया।

पौधारोपण के साथ संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. लालवानी ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और हरा-भरा बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी चाहिए।

उपलब्धि : 12 से 24 जुलाई तक सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग और माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रशिक्षण

बस्तर के 30 होनहारों की मद्रास आईटीआई तक की छलांग सेमीकंडक्टर मैन्यूफेक्चरिंग के गुर सीखकर आएंगे वापस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पहली बार संभाग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में विशेष प्रशिक्षण

जगदलपुर . बस्तर संभाग के विद्यार्थियों के लिए तकनीकी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। पहली बार बस्तर के 30 मेधावी छात्रों को देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान आईआईटी मद्रास में सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग की विशेष ट्रेनिंग प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।

बस्तर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरनल टेस्ट के आधार पर विद्यार्थियों की मेरिट सूची तैयार की जाएगी। इसी सूची से 30 छात्रों का चयन प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के लिए रवाना होने से पहले राज्यपाल द्वारा औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर विदा किया जाएगा। इस पहल से बस्तर के छात्रों को देश के अग्रणी तकनीकी संस्थानों से जुड़ने और अत्याधुनिक तकनीकों में कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

भविष्य की तकनीकों का मिलेगा प्रशिक्षण

बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान छात्र सेमीकंडक्टर चिप निर्माण, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत डेटा ट्रांसफर तकनीक और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की कार्यप्रणाली को समझेंगे। यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करेगा।

> आईआईटी मद्रास में होने वाला यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को सेमीकंडक्टर और उन्नत तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देगा। इससे उनके लिए भविष्य में तकनीकी क्षेत्र में रोजगार और शोध के नए अवसर खुलेंगे।
>
> **मनोज कुमार श्रीवास्तव**
> कुलपति, बस्तर विश्वविद्यालय

हवाई जहाज से करेंगे चेन्नई की यात्रा

इस कार्यक्रम की एक विशेष बात यह भी है कि चयनित छात्र हवाई जहाज से चेन्नई पहुंचेंगे। छात्रों की हवाई यात्रा का पूरा खर्च दंतेवाड़ा जिला प्रशासन द्वारा वहन किया जाएगा, जिसमें बस्तर जिला प्रशासन का भी सहयोग रहेगा। इससे दूरस्थ अंचल के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा।

रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद

कुलपति ने बताया कि रायपुर में स्थापित हो रही गैलियम नाइट्राइड आधारित 5त्र और 6त्र डेटा ट्रांसफर तकनीक से जुड़ी औद्योगिक इकाइयों में प्रशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद विद्यार्थियों को सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में करियर बनाने में मदद मिलेगी।

आईआईटी मद्रास के सेमीकंडक्टर स्किलिंग प्रोग्राम में प्रतिभागिता के लिए टेस्ट आयोजित

जगदलपुर, 25 जिन (देशबन्धु)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास द्वारा संचालित सेमीकंडक्टर स्किलिंग प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों को विशेष तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने बुधवार को शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय में योग्यता परीक्षा आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य की ऊात सेमीकंडक्टर तकनीक में पारंगत करने और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस परीक्षा को लेकर संभाग के विद्यार्थियों में भारी उत्साह देखा गया। चयन परीक्षा में विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी एवं 26 सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत 236 छात्र छात्राएं शामिल हुए। इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर अगले माह आईआईटी मद्रास में विशेष प्रशिक्षण के लिए कुल 25 छात्र-छात्राओं का मेरिट एवं संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी के संस्तुति के आधार पर चयन किया जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन 25 सीटों में से 8 सीटें छात्राओं के लिए निर्धारित की जावेगी।

संभाग के 25 मेधावी विद्यार्थियों का होना है चयन

छत्तीसगढ़ शासन ने छत्तीसगढ़ स्टेट उद्योग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के द्वारा नया रायपुर तथा राजनादगांव में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह इंडस्ट्री 1145 करोड़ की लागत से स्थापित की जा रही है तथा इस वर्ष 2026 के अंत तक मैन्युफैक्चरिंग प्रारंभ कर दी जाएगी। गलीनियम नाइट्रेट सेमीकंडक्टर प्लांट जिसके अंतर्गत 5त्न, 6त्न टेक्नोलॉजी की सेमी कंडक्टर चिप तैयार की जावेगी। आईआईटी मद्रास भेजे जा रहे ये छात्र इस इंडस्ट्री में पहले ऐसे प्रशिक्षित तकनीकी सपोर्ट होंगे जो कि छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर प्रशिक्षित होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यमंत्री से भी आग्रह किया है कि बस्तर के आईआईटी मद्रास में प्रशिक्षित युवाओं को छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में नौकरी प्रदान की जाए। यदि कुलपति का यह निवेदन स्वीकार किया जाता है तो बस्तर के विकास के लिए तथा जनजातियों अंचल के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी इु आईआईटी मद्रास जैसे देश के शीर्ष संस्थान के साथ जुड़कर आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त करना विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। यह च्सेमीकंडक्टर स्किलिंग प्रोग्रामज् न केवल विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल का विकास करेगा, बल्कि प्रदेश एवं देश स्तर पर सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप उन्हें तैयार भी करेगा। विश्वविद्यालय द्वारा बस्तर संभाग के 7 जिलों में उक्त सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया।

25 छात्र आइआइटी मद्रास में सीखेंगे सेमीकंडक्टर तकनीक

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुरः बस्तर के युवाओं के लिए हाईटेक उद्योगों की दुनिया का दरवाजा खुल गया है। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों का चयन आइआइटी मद्रास में आयोजित होने वाले सेमीकंडक्टर स्किलिंग प्रोग्राम के लिए हुआ है। ये विद्यार्थी 13 से 24 जुलाई तक देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। विश्वविद्यालय का दावा है कि छत्तीसगढ़ में यह अवसर पाने वाले वे पहले विश्वविद्यालय के विद्यार्थी होंगे।

विश्वविद्यालय में आयोजित चयन परीक्षा में 265 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर 16 छात्राओं और 9 छात्रों का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थी बस्तर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर जिलों से हैं।

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेमीकंडक्टर तकनीक भविष्य के उद्योगों की आधारशिला है। आइआइटी मद्रास का यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी कौशल प्रदान करेगा, जिससे वे सेमीकंडक्टर चिप निर्माण उद्योग में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातीय अंचल के विद्यार्थियों के लिए यह उपलब्धि पूरे बस्तर के लिए गर्व का विषय है।

प्रदेश सरकार नवा रायपुर और राजनांदगांव में लगभग 1,145 करोड़ रुपये की लागत से सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर रही है, जिसके दिसंबर 2026 तक शुरू होने की संभावना है। इन इकाइयों में 5जी और 6जी तकनीक के लिए सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण होगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ स्वरोजगार और स्टार्टअप शुरू करने में सहयोग कर रहा विश्वविद्यालय

जगदलपुर, 30 जून (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के धरमपुरा स्थित मुख्य कैंपस में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों के आधार पर मेरिट सूची के अनुसार प्रवेश दिए जा रहे हैं, जबकि द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन आवेदन 5 जुलाई तक स्वीकार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय की प्रवेश अधिसूचना के अनुसार रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया 31 जुलाई तक संचालित होगी।

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) में चार वर्षीय स्नातक, दो वर्षीय स्नातकोत्तर तथा विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें बीए, बीएससी (साइंस एवं लाइफ साइंस), बीकॉम, बीबीए, बी.लिब., एमए, एमएससी, एमबीए, एमसीए, एमएससी रूरल टेक्नोलॉजी, एमकॉम, एम.लिब., एमएसडब्ल्यू, पीजीडीसीए एवं पीजीडीजेएमसी (मीडिया) प्रमुख हैं। कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय में समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, समाज कार्य, हिन्दी तथा अंग्रेजी साहित्य जैसे विषय उपलब्ध हैं। वहीं विज्ञान एवं लाइफ साइंस संकाय में भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित, सांख्यिकी, भूगर्भशास्त्र, प्राणीशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्मजीव विज्ञान, वानिकी एवं वन्यजीव तथा मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययन जैसे रोजगारोन्मुखी विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। इसी शैक्षणिक सत्र से एमबीए विभाग में बीबीए पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है, जिसे विद्यार्थियों का अच्छा रिस्पॉस मिल रहा है।

विश्वविद्यालय ने मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) में प्रवेश हेतु अलग अधिसूचना जारी की है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित की गई है, जबकि प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि 18 जुलाई है।

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश जारी

शिक्षा के साथ नवाचार और उद्यमिता पर विशेष जोर

बस्तर जैसे जनजातीय अंचल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए कार्यरत विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों को स्नातक के साथ-साथ स्नातकोत्तर स्तर पर भी लागू किया है। साथ ही, पीएम-उषा योजना के अंतर्गत इसे मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (मेरू) के रूप में चिन्हित किया गया है। विश्वविद्यालय के नए अत्याधुनिक मुख्य परिसर का निर्माण भी तेजी से प्रगति पर है। विद्यार्थियों को स्वरोजगार, उद्यमिता, स्टार्टअप एवं नवाचार से जोड़ने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने आईआईटी भिलाई, एनआईटी रायपुर सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के साथ समझौता (एमओयू) किया है।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया जारी, 5 जुलाई तक करें आवेदन

यूनिवर्सिटी में नए सेशन की हलचल स्टार्टअप-इनोवेशन पर पूरा फोकस

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के धरमपुरा स्थित मुख्य परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों के आधार पर मेरिट सूची के अनुसार प्रवेश दिए जा रहे हैं, जबकि द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन आवेदन 5 जुलाई तक स्वीकार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय की प्रवेश अधिसूचना के अनुसार रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया 31 जुलाई तक चलेगी। विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) में चार वर्षीय स्नातक, दो वर्षीय स्नातकोत्तर तथा विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बी.लिब., एमए, एमएससी, एमबीए, एमसीए, एमकॉम, एमएसडब्ल्यू, एम.लिब., पीजीडीसीए, पीजीडीजेएमसी सहित कई रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसी सत्र से एमबीए विभाग में बीबीए पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया है, जिसे विद्यार्थियों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। विश्वविद्यालय

नई शिक्षा नीति को दिया जा रहा बढ़ावा

विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों को स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया है। साथ ही, पीएम-उषा योजना के तहत विश्वविद्यालय को मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। नए अत्याधुनिक मुख्य परिसर का निर्माण भी तेजी से प्रगति पर है। विद्यार्थियों को स्वरोजगार और नवाचार से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय ने आईआईटी भिलाई, एनआईटी रायपुर सहित कई तकनीकी संस्थानों के साथ एमओयू किए हैं। स्टार्टअप एवं इनोवेशन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एसएमकेवी-आईएसएफ नाम से कंपनी का पंजीयन भी कराया गया है। समय-समय पर उद्यमिता, कौशल विकास, स्टार्टअप और नवाचार से जुड़े प्रशिक्षण, कार्यशालाएं एवं सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।

आधुनिक सुविधाओं के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी जोर

विश्वविद्यालय परिसर में छात्रावास, समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कालीपुर परिसर में दो आधुनिक सेमिनार हॉल सह ऑडिटोरियम का लोकार्पण भी शीघ्र होने वाला है। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत बस्तर के पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी विशेष कार्य किए जा रहे हैं। कुलपति प्रो.

को केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, कुशल और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इसके लिए उद्योग आधारित कौशल, मेंटरशिप, प्रोफेशनल नेटवर्किंग, व्यक्तित्व विकास और नवाचार आधारित शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से विश्वविद्यालय में प्रवेश लेकर उपलब्ध शैक्षणिक और नवाचार संबंधी

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ स्टार्टअप और स्वरोजगार की राह दिखा रहा विश्वविद्यालय

जगदलपुर/नवप्रदेश। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के धरमपुरा स्थित मुख्य परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रथम चरण में मेरिट के आधार पर प्रवेश दिए जा रहे हैं, जबकि दूसरे चरण के लिए ऑनलाइन आवेदन 5 जुलाई तक स्वीकार किए जाएंगे।

- **यूटीडी में स्नातक, स्नातकोत्तर व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश जारी**
- **दूसरे चरण के ऑनलाइन आवेदन 5 जुलाई तक,नवाचार पर विशेष फोकस**

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा स्तर के विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। एमसीए में प्रवेश के लिए अलग अधिसूचना जारी की गई है, जिसके आवेदन 10 जुलाई तक लिए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय में बहुविषयक शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। विद्यार्थियों को स्वरोजगार, स्टार्टअप और नवाचार से जोड़ने के लिए आईआईटी भिलाई,एनआईटी रायपुर सहित विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय में नियमित रूप से उद्यमिता, कौशल विकास और स्टार्टअप से जुड़े प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। साथ ही छात्रावास, केंद्रीय पुस्तकालय और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर उन्हें आत्मनिर्भर,नवाचारी और रोजगार सृजक बनाना है। उन्होंने युवाओं से उपलब्ध शैक्षणिक एवं नवाचार अवसरों का लाभ उठाते हुए समय पर प्रवेश लेने की अपील की।

शिक्षा के साथ उद्यमिता को भी मिल रहा बढ़ावा

विश्वविद्यालय में प्रवेश अभियान तेज
यूटीडी में विशेष हेल्प डेस्क स्थापित

जगदलपुर, 2 जुलाई (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026ङ्ग27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया सुगम बनाने हेतु विशेष पहल की गई है। विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं सरल बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन स्थित सभागार में विशेष सिंगल विंडो हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन, आवेदन पत्रों की जांच, प्रवेश शुल्क जमा करने सहित प्रवेश से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूरी की जा रही हैं। विभिन्न अध्ययनशालाओं एवं पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से इधर-उधर नहीं जाना पड़ >> शेष पृष्ठ 9 पर >

रहा है और उनका समय भी बच रहा है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दस्तावेजों की फोटोकॉपी के लिए सभागार में प्रिंटर की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही हेल्प डेस्क से विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी जानकारी, आवश्यक मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रत्येक अभ्यर्थी बिना किसी कठिनाई के प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकें। विद्यार्थियों की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सिंगल विंडो हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है, ताकि प्रवेश से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हों और विद्यार्थियों का समय एवं श्रम दोनों बचे। यह पहल प्रवेश प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हेल्प डेस्क के माध्यम से विद्यार्थियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे बिना किसी परेशानी के प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर रहे हैं।

सहूलियत

सिंगल विंडो हेल्प डेस्क शुरू, कुलपति बोले- विद्यार्थियों की सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

बस्तर यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया अब आसान

दस्तावेज सत्यापन से लेकर फीस जमा करने तक की सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विद्यार्थियों को प्रवेश से जुड़ी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन स्थित सभागार में विशेष सिंगल विंडो हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। इस व्यवस्था के माध्यम से प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को दस्तावेज सत्यापन, आवेदन पत्रों की जांच, प्रवेश शुल्क जमा करने तथा प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी अन्य सभी औपचारिकताओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूरी होने से विद्यार्थियों का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न अध्ययनशालाओं एवं पाठ्यक्रमों के अनुसार अलग-अलग काउंटर भी बनाए हैं, ताकि विद्यार्थियों को अपनी संकाय और विषय के अनुसार त्वरित सेवाएं मिल सकें।

जहां हेल्प डेस्क वहीं फोटोकॉपी और प्रिंट आउट सेवा

इससे प्रवेश प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुचारु रूप से संचालित हो रही है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हेल्प डेस्क परिसर में आवश्यक दस्तावेजों की फोटोकॉपी और प्रिंट आउट के लिए प्रिंटर की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही विश्वविद्यालय के अधिकारी और कर्मचारी प्रवेश से संबंधित जानकारी, आवश्यक मार्गदर्शन तथा तकनीकी सहायता भी उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

शमक विवि में प्रवेश के लिए स्थापित हेल्प डेस्क का लाभ लेते हुए विद्यार्थी।

प्रवेश लेने वाले छात्रों को कठिनाई नहीं हो यही प्रयास: विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि प्रत्येक अभ्यर्थी बिना किसी कठिनाई के प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ सिंगल विंडो हेल्प डेस्क शुरू की गई है, ताकि प्रवेश से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हों और विद्यार्थियों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिले। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रवेश प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और विद्यार्थी हितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हेल्प डेस्क के माध्यम से विद्यार्थियों को त्वरित सहायता मिल रही है, जिससे वे सहजता के साथ अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं।

संगल विंडो हेल्प डेस्क की प्रमुख सुविधाएं

- एक ही स्थान पर प्रवेश से जुड़ी सभी सेवाएं।
- दस्तावेजों का सत्यापन एवं आवेदन पत्रों की जांच।
- प्रवेश शुल्क जमा करने की सुविधा।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग सहायता काउंटर।
- दस्तावेजों की फोटोकॉपी एवं प्रिंट की व्यवस्था।
- प्रवेश संबंधी मार्गदर्शन एवं त्वरित सहायता।
- विद्यार्थियों का समय और अनावश्यक भागदौड़ दोनों में कमी।

पद्मश्री डॉ.बुधरी ताती का विश्वविद्यालय में किया सम्मान, छात्रों के लिए बनेंगी प्रेरणा

जगदलपुर। समाजसेवा के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर नई दिल्ली से लौटने के बाद डॉ. बुधरी ताती का शुक्रवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में आयोजित 66वीं कार्यपरिषद् की सामान्य बैठक में कार्यपरिषद् सदस्य के रूप में शामिल हुईं डॉ. ताती को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मान पत्र भेंट कर बधाई दी गई। कुलपति प्रो.मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ.बुधरी ताती ने बस्तर के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और नशामुक्ति के लिए चार दशक से अधिक समय तक कार्य किया है। उनका जीवन समाजसेवा की मिसाल है और विश्वविद्यालय उनके कार्यों को विद्यार्थियों के बीच प्रेरणास्रोत के रूप में प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि डॉ.ताती के अनुभव और मार्गदर्शन से युवाओं में समाजसेवा के साथ राष्ट्रसेवा की भावना भी मजबूत होगी। सम्मान समारोह के दौरान कार्यपरिषद् के सदस्यों ने डॉ.ताती की उपलब्धि को बस्तर के लिए गौरव बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। बैठक में विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक विषयों पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर छात्र समागम, एनईपी को रोजगार से जोड़ रही है सरकार

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में शनिवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर विशेष व्याख्यान एवं छात्र समागम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में विचारधारा का महत्वपूर्ण स्थान होता है और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रवादी सोच के कारण महान बने।

उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार उनकी विचारधारा के अनुरूप विकास कार्य कर रही हैं तथा नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया गया है। सरकार नए कॉलेज खोलने के साथ उच्च शिक्षा के लिए जरूरी अधोसंरचना विकसित कर रही है।

डॉ. मुखर्जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते मंत्री टंकराम वर्मा।

उन्होंने युवाओं से अच्छी संगत और अच्छी पुस्तकें पढ़ने की अपील भी की।

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी युग प्रवर्तक नेता थे। उन्होंने भारतीय भाषाओं में शिक्षा और अध्ययन-अध्यापन पर जोर दिया था, जिसे एनईपी-2020 में लागू किया गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। इस पर उच्च शिक्षा मंत्री ने प्रस्ताव का परीक्षण कर आगे कार्रवाई का आश्वासन दिया। कुलपति ने कहा कि यह प्रदेश में विकास मॉडल पर कार्य करने वाला पहला सेंटर होगा। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे और उन्होंने राष्ट्र की सांस्कृतिक एवं भौगोलिक एकता को मजबूत करने का कार्य किया। विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि उन्होंने शिक्षा, राजनीति, संस्कृति और औद्योगिक विकास सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया तथा एक देश, एक विधान, एक निशान के संकल्प के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

आयोजन: डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में समागम का आयोजन

डॉ. श्यामा प्रसाद के योगदान-बलिदान ने समागम में युवाओं को किया प्रेरित

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने युवाओं को दिए सफलता के मंत्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान एवं छात्र समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस दौरान डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, औद्योगिक विकास और राष्ट्रीय एकता के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में विचारधारा का महत्वपूर्ण योगदान होता है और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अपने राष्ट्रवादी विचारों के कारण महान बने। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारें आज डॉ. मुखर्जी की विचारधारा को आधार बनाकर चहुंमुखी विकास के कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को रोजगार से जोड़ने का हर संभव प्रयास किया है। नए महाविद्यालयों की स्थापना के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक अधोसंरचना के विकास पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अच्छी संगति अपनाने और अच्छी पुस्तकों के अध्ययन की आदत विकसित करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि डॉ. मुखर्जी एक युग प्रवर्तक नेता थे। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में शिक्षा की वकालत करने वाले डॉ. मुखर्जी के विचारों को आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस भारत की कल्पना डॉ. मुखर्जी ने की थी, आज देश उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे, जिन्होंने सहज जीवन छोड़कर संघर्ष का मार्ग चुना। उन्होंने युवाओं से मेहनत करने और रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाला बनने का आह्वान किया। जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी शिक्षा, राजनीति, संस्कृति और औद्योगिक विकास सहित अनेक क्षेत्रों के अग्रणी व्यक्तित्व थे। उन्होंने कहा कि "एक देश, एक विधान और एक निशान" के संकल्प के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को लोकतंत्र के मूल्यों से अवगत कराते हुए बस्तर की सांस्कृतिक विविधता और योगदान पर भी प्रकाश डाला। महापौर संजय पांडेय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूत किया।

जगदलपुर. विवि के कुलपति उच्च शिक्षा मंत्री का अभिनंदन करते हुए।

सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट की स्थापना होगी

कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय में "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट" स्थापित करने की मांग रखी। इस पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने प्रस्ताव का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। कुलपति ने बताया कि यह प्रदेश का ऐसा पहला केंद्र होगा, जो विकास मॉडल और समग्र विकास के विषयों पर कार्य करेगा।

विवि के नए सभागार का लोकार्पण भी किया गया

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के एमबीए भवन में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नए सभागार का अतिथियों द्वारा लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि देवांगन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्या एवं मूल्यांकन बोर्ड के सदस्य जयराम दास एवं महेंद्र कांत, कार्यपरिषद सदस्य अजय बैस, जनजाति आयोग के सदस्य रूपसिंह मंडावी आदि मौजूद रहे।

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय,
धरमपुरा - 2, जगदलपुर (छ.ग.) 494001
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वीं जयंती
एक दिवसीय विचार गोष्ठी
/छात्र सम्मलेन
सुश्री लता उसेंडी

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
धरमपुरा - 2, जगदलपुर (छ.ग.) 494001
श्री किरण सिंह देव जी
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
धरमपुरा - 2, जगदलपुर (छ.ग.) 494001

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
धरमपुरा - 2, जगदलपुर (छ.ग.) 494001
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वीं जयंती
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की
125 वीं जयंती

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
श्री संजय पाण्डेय जी
सुश्री लता उसेंडी
श्री टंक राम वर्मा जी

उतिष्ठत जाग्रत प्राप्यवरान् निवोधत

तारीख– 21 जुलाई 2026 मार्गदर्शक व विभागाध्यक्ष – डॉ. विनोद कुमार सोनी

संकलन कर्ता– निरंजन कुमार